ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

रूस के विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू की संभावनाएं तलाशेगा हिंदी विश्वविद्यालय

वर्धा, 12 सितंबर 2025 : रूस की राजधानी मॉस्को में 3 से 7 सितंबर 2025 तक आयोजित 38वें मॉस्को अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले (एमआईबीएफ) में भारत को विशेष रूप से अतिथि देश (गेस्ट ऑफ ऑनर कंट्री) के रूप में आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर भारत से गए

प्रतिनिधि मंडल में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा भी शामिल रहीं। पांच दिवसीय इस पुस्तक मेले में भारत का केंद्रीय मंडप विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जिसकी थीम थी "पढ़ें और जानें भारत (Read and Explore India)"। भारत मंडप में भारतीय कला, साहित्य, सिनेमा और संस्कृति के विविध पहलुओं पर भारतीय एवं रूसी विद्वानों के बीच गहन विचार-विमर्श हुआ।

प्रो. कुमुद शर्मा ने बताया कि मेले में भारत की ओर से 2,500 से अधिक पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया, जिनमें हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तमिल सहित अनेक भारतीय भाषाओं की प्रतिनिधि कृतियाँ शामिल थीं। भारत की बहुभाषिक साहित्यिक परंपरा को दर्शाने वाले इन प्रकाशनों ने रूसी पाठकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण रहा 22 भारतीय पुस्तकों का रूसी भाषा में अनुवाद और उनका विमोचन। इस पहल ने भारत और रूस के बीच साहित्यिक एवं सांस्कृतिक रिश्तों को और अधिक सुदृढ़ किया।

प्रो. शर्मा ने बताया कि रूसी विद्यार्थियों में हिंदी भाषा सीखने की बढ़ती रुचि को देखते हुए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा अब रूस के विश्वविद्यालयों के साथ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में समझौता ज्ञापन (एमओयू) की संभावनाएं तलाश रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और रूस के रिश्ते सांस्कृतिक और साहित्यिक दृष्टि से हमेशा गहरे और मजबूत रहे हैं। यही कारण है कि इस आयोजन में भारत की प्रस्तुति को व्यापक सराहना मिली।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website:** www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

रशियातील विश्वविद्यालयाशी सामंजस्य कराराची शक्यता शोधेल हिंदी विश्वविद्यालय

वर्धा, १२ सप्टेंबर २०२५ : रशियाची राजधानी मॉस्को येथे ३ ते ७ सप्टेंबर २०२५ या कालावधीत झालेल्या ३८व्या मॉस्को आंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेळाव्यात (एमआयबीएफ) भारताला 'गेस्ट ऑफ ऑनर कंट्री' म्हणून विशेष आमंत्रण देण्यात आले होते. या विशेष निमंत्रणात भारतीय प्रतिनिधीमंडळात महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धेच्या कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा यांचा समावेश होता. या पाच दिवसीय पुस्तक महोत्सवात भारताचा मध्यवर्ती मंडप विशेष आकर्षणाचे केंद्र ठरला, ज्याची संकल्पना होती — 'वाचा आणि भारत जाणून घ्या (Read and Explore India)'. या मंडपात भारतीय कला, साहित्य, चित्रपट आणि संस्कृती याविषयी भारतीय आणि रशियन विद्वानांमध्ये सखोल चर्चा झाली.

प्रो. कुमुद शर्मा यांनी सांगितले की, भारतातर्फे २,५०० हून अधिक पुस्तकांचे प्रदर्शन करण्यात आले, ज्यामध्ये हिंदी, इंग्रजी, बांग्ला, तमिळ यांसारख्या विविध भारतीय भाषांतील प्रतिनिधिक साहित्याचा समावेश होता. भारताच्या बहुभाषिक साहित्यिक परंपरेचे दर्शन घडवणाऱ्या या पुस्तकांनी रशियन वाचकांचे विशेष लक्ष वेधून घेतले. या महोत्सवातील एक मुख्य आकर्षण म्हणजे २२ भारतीय पुस्तकांचे रशियन भाषेत अनुवाद आणि त्यांचे प्रकाशन. या उपक्रमामुळे भारत-रशिया यांच्यातील साहित्यिक आणि सांस्कृतिक संबंध अधिक बळकट झाले.

प्रो. शर्मा यांनी सांगितले की, रशियन विद्यार्थ्यांमध्ये हिंदी भाषा शिकण्याची वाढती आवड लक्षात घेऊन महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात आता रशियामधील विश्वविद्यालयांबरोबर उच्च शिक्षण क्षेत्रातील सामंजस्य करार *(MoU)* करण्याच्या शक्यतांचा शोध घेत आहे. भारत आणि रशियामधील संबंध हे नेहमीच सांस्कृतिक आणि साहित्यिक दृष्टीने घट्ट राहिले आहेत, यामुळेच या महोत्सवातील भारताच्या सादरीकरणाला व्यापक प्रतिसाद व गौरव प्राप्त झाला.

Hindi University to Explore MoUs with Russian Universities

Wardha, September 12, 2025: India was invited as the *Guest of Honour Country* at the 38th Moscow International Book Fair (MIBF), held in Moscow, Russia, from September 3 to 7, 2025. Professor Kumud Sharma, Vice-Chancellor of Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya (MGAHV), Wardha, was part of the Indian delegation and attended the five-day event. The central Indian pavilion emerged as a major highlight of the fair, themed "Read and Explore India."
The pavilion hosted in-depth discussions between Indian and Russian scholars on various aspects of Indian art, literature, cinema, and culture.

Professor Sharma shared that over 2,500 books were exhibited on behalf of India at the fair, representing a range of Indian languages including Hindi, English, Bengali, Tamil, and others. These publications showcased India's multilingual literary tradition and drew significant attention from Russian readers. A key highlight of the event was the launch of 22 Indian books translated into Russian—a move that further strengthened literary and cultural ties between India and Russia.

Noting the growing interest among Russian students for learning Hindi, Professor Sharma stated that Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya is now exploring the possibility of signing Memorandums of Understanding (MoUs) with Russian universities in the field of higher education. She emphasized that the cultural and literary bonds between India and Russia have always been deep and strong, which was clearly reflected in the enthusiastic response to India's participation in the fair.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org**

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305